व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – पनीर बनाना

लक्ष्मी- नारायण स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	लक्ष्मी- नारायण एसएचजी
वीएफडीएस नाम	::	ढेउ शाहधार
परिक्षेत्र	::	सराहन
वन मंडल	::	रामपुर

इसके तहत त्यार किया गया :-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जाइका सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक ।	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	परिचय	3
2	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	3
3	लाभार्थियों का विवरण	4- 5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5	प्रक्रिया का विवरण	7
6	व्यवसाय शुरू करने की बाजार संभावना	7
7	पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण	8
8	पनीर बनाने के लिए उपकरण की आवश्यकता	8
9	गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	9
10	योजना का विवरण	9
11	विपणन/ बिक्री का विवरण	10
12	स्वोट अनालिसिस	11
13	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	11
14	वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान	12-13-14
15	निधि प्रवाह	15
16	निधि के स्रोत	15
17	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	16
18	बैंक ऋण चुकौती	16
19	निगरानी पद्धति	16
20	टिप्पणी	17
21	समूह सदस्यों की तस्वीरें	18
22	ग्राम वन विकास समिति का प्रस्ताव	19
23	स्वयं सहायता समूह का प्रस्ताव	20

1. परिचय

पनीर एक आम घरेलू वस्तु है और प्रोटीन का एक स्वस्थ और स्वादिष्ट समृद्ध स्रोत है। SHG के सभी सदस्य इस IGA से अच्छी तरह परिचित हैं और यह प्रस्ताव सदस्यों द्वारा ही प्रस्तुत किया गया था और सभी ने एक स्वर में इस पर सहमति व्यक्त की थी। कच्चा माल प्रत्येक घर में आसानी से उपलब्ध है और यदि व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त मात्रा की आवश्यकता होती है तो उसे आस-पास के गांवों से खरीदा जा सकता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	लक्ष्मी नारायण
2.2	वीएफडीएस	::	शाहधर-ढेउ
2.3	परिक्षेत्र	::	सराहन
2.4	वन मंडल	::	रामपुर
2.5	गाँव	::	ढेउ
2.6	ब्लॉक	::	रामपुर
2.7	ज़िला	::	शिमला
2.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10- महिलाएं
2.9	गठन की तिथि	::	30 अक्टूबर 2020
2.10	बैंक खाता नंबर	::	43410107899
2.11	बैंक विवरण	::	एच.पी.स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, सराहन
2.12	SHG/CIG मासिक बचत	::	50
2.13	कुल बचत		2500
2.14	कुल अंतर-ऋण		-
2.15	नकद क्रेडिट सीमा		- -
2.16	पुन भुगतान स्थिति		- -

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक।	नाम	पिता/पति और नाम	आयु	वर्ग	आय स्रोत	पता
1	बिरमा देवी	बीर सिंह	59	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
2	गीता देवी	जगदीश चंद	48	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
3	प्रतिमा	भीम सिंह	31	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
4	राज कुमारी	यशपाल	31	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
5	कृष्णा देवी	मान सिंह	46	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
6	राम प्यारी	कैलाश चंद	53	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर

						जिला - शिमला (एच.पी.)
7	मनकी देवी	कमला नंद	49	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
8	सत्या देवी	शंकर दास	54	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
9	काल दस्सी	धर्म सिंह	48	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
10	सरोज देवी	गोपी चंद	50	सामान्य	कृषि	गांव - धेउ पी.ओ. - शाहधर तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)

4.गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	: :	169 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	: :	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम& दूरी	: :	सराहन 6 किमी, ज्योरी 16 किमी
4	मुख्यबाज़ारकानाम& दूरी	:	रामपुर- 41 किमी
5	मुख्य शहरों का नाम और दूरी	: :	
6	मुख्य शहर का नाम जहां उत्पाद बेचा जाएगा/ विपणन किया जाएगा	: :	सराहन, ज्योरी, झाकड़ी, रामपुर

5. प्रक्रिया का विवरण

शुरुआत में पनीर बनाने वाले SHG के सदस्यों ने 120 किलोग्राम शुद्ध दूध के साथ व्यवसाय शुरू करने पर सहमति जताई। 40 लीटर दूध को लगातार हिलाते हुए 50 लीटर क्षमता वाले भारी दूध के बर्तनों में 80-90 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर गर्म किया जाएगा। जब दूध लगभग 90 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पहुंच जाए तो उसमें 0.2% साइट्रिक एसिड (यानी 80 ग्राम साइट्रिक एसिड) डालें और 5-6 मिनट तक हिलाते रहें और आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। उत्पाद को मलमल के कपड़े में डालें और अतिरिक्त पानी निचोड़ें और पनीर को उसके ऊपर अतिरिक्त वजन डालकर दबाएँ और परिणामी सामग्री को मलमल के कपड़े में ठंडे पानी के अंदर रखें। यही प्रक्रिया अन्य दो दूध के बर्तनों में बचे हुए 80 लीटर दूध के साथ दोहराई जाएगी।

मानक औसत के अनुसार प्रतिदिन 120 लीटर दूध से लगभग 24 किलोग्राम पनीर का उत्पादन किया जाएगा, जिसे लक्षित बाजारों के अनुसार विपणन करके उचित बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। औसतन यदि पनीर की कीमत 250 रुपये प्रति किलोग्राम है, तो एसएचजी को प्रतिदिन 6000 रुपये की शुद्ध बिक्री होगी और यदि दूध 25 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जाता है, तो 120 किलोग्राम दूध की मात्रा 3000 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से काम करेगी और इस प्रकार 3000 रुपये प्रतिदिन का सकल लाभ होगा।

6. व्यवसाय शुरू करने की संभावना

पनीर एक प्राकृतिक डेयरी उत्पाद है जो स्वास्थ्यवर्धक है, पोषक तत्वों से भरपूर है और इसकी बहुत मांग है। आजकल इसकी मांग बढ़ रही है और निकट भविष्य में इसकी मांग और भी बढ़ने की संभावना है।

यह व्यवसाय लाभदायक है और इसके लिए कम पूंजी, सस्ती सामग्री और बुनियादी मशीनरी की आवश्यकता होती है। गुणवत्ता वाले पनीर के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, उचित उपकरण और मानकीकृत प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है।

7. पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण

- प्राकृतिक डेयरी उत्पाद
- भारी मांग
- पैसा कमाने वाला व्यवसाय
- कम पूंजी की जरूरत
- सस्ते घटक
- एसएचजी सदस्य व्यक्तिगत स्तर पर गतिविधि से अच्छी तरह परिचित हैं

8. लोकल पनीर बनाने के लिए उपकरण की आवश्यकता

घर पर पनीर बनाने के लिए निम्नलिखित उपकरण खरीदे जाएंगे:

1. बॉयलर पोत (100 लीटर क्षमता)
2. क्रियाशीलता रॉड
3. वाणिज्यिक गैस सिलेंडर कनेक्शन के साथ
4. गैसभट्टी (चूल्हा)
5. डिजिटल वजन मशीन
6. मापन उपकरण(1 लीटर, 2 लीटर, 5 लीटर)
7. रेफ्रिजरेटर (200 लीटर)
8. रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख
9. पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर
10. एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के दस्ताने आदि।
11. कुर्सी-टेबल आदि.

9. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	: :	पनीर बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	: :	यह उत्पाद पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा बनाया जा रहा है
3	एसएचजी/सीआईजी/ क्लस्टर सदस्यों द्वारा सहमति	: :	हाँ

10. उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	: :	1 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	: :	सभी सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	: :	स्थानीय रूप से उपलब्ध
4	संसाधनों का स्रोत	: :	घ्राट, सराहन
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (कि० ग्रा)	: :	120 कि०ग्रा० दूध (आरंभ में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (कि०ग्रा०)	: :	24कि०ग्रा० (शुरू में)

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	**कच्चा सामग्री**	**इकाई**	**समय**	**मात्रा**	**मात्रा प्रति (रु.)**	**कुल मात्रा**	**अपेक्षित उत्पादन (किलोग्राम)**	**रु. प्रति किलोग्राम**	**कुल मात्रा**
1	गाय दूध	किलोग्राम	प्रति दिन	120 किलो	25	3000	24	250	6000

11. विपणन/ बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थान	::	रामपुर बुशहर - 41 कि०मी०, सराहन - 6 कि०मी०, ज्योरी - 16 कि०मी०, झाकड़ी - 28 कि०मी०
2	इकाई से दूरी	::	
3	उत्पाद की मांग बाज़ार स्थान/स्थान	::	दैनिक मांग
4	बाज़ार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता एवं बाजार में मांग के अनुसार रिटेलर/दुकान का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। शुरुआत में उत्पाद नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद के विपणन की रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पादों को सीधे गांव की दुकानों और विनिर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेताओं, नजदीकी बाजारों के थोक विक्रेताओं द्वारा भी। शुरुआत में उत्पाद 1 किलो पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है।
7	उत्पाद "नारा"		"पवित्रता और सर्वोच्चता का उत्पाद"

12.स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत** –

- कुछ SHG सदस्यों द्वारा यह गतिविधि पहले से ही की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है

❖ **कमजोरी** –

प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव ।

❖ **अवसर –**

- बाज़ारों का स्थान
- दैनिक/साप्ताहिक खपत और सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा खपत

❖ खतरे/जोखिम –

- विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों और बरसात के मौसम में।
- कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि
- प्रतिस्पर्धी बाजार

13. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां तय करेंगे। कार्य को सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार विभाजित किया जाएगा

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे

14. वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने की लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें आरंभिक व्यावसायिक लाभ को भी शामिल किया जाना चाहिए।

एसएचजीआई को संक्षेप में लागत-लाभ विश्लेषण पेश किया जाना आवश्यक है।

क.	पूंजीगत लागत			
क्रम संख्या	ब्यौरा	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	बॉयलर पोत 100 लीटर क्षमता	3	5000	15000
2	क्रियाशीलता रॉड	3	300	900
3	कनेक्शन के साथ व्यावसायिक गैस सिलेंडर	2	4000	8000
4	गैस भट्टी	3	1500	4500
5	डिजिटल वजन मापने की मशीन	1	10,000	10000
6	मापने का उपकरण (1 लीटर, 2 लीटर, 5 लीटर)	3	लगभग	1000
7	फ्रिज (200 लीटर)	1	22000	22000
8	रसोई के उपकरण और अन्य विविध वस्तुएँ	लगभग	लगभग	4000
9	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर	1	2000	2000
10	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने	12	लगभग	6000
11	कुर्सी, मेज, आदि		लगभग	5000
	कुल पूंजीगत लागत			**78400**

ख़.	आवर्ती लागत			
क्रम संख्या	ब्यौरा	मात्रा	मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा दूध	120 लीटर प्रतिदिन	25/ लीटर	90000
2	साइट्रिक एसिड	6 लीटर	150/लीटर	900
3	कमरे का किराया	प्रति महीने	2000	2000
4	पैकेजिंग सामग्री	प्रति माह	3000	3000
5	श्रम	2 व्यक्ति प्रतिदिन	275/व्यक्ति	16500
6	परिवहन	प्रति माह	100 रुपये प्रतिदिन	3000
7	विविध व्यय (जैसे स्टेशनरी, बिजली बिल, पानी का बिल, आदि)	प्रति माह	1000	1000
8	गैस	प्रति माह एक सिलेंडर	2000 / सिलेंडर	2000
9	मलमल का कपड़ा	प्रति माह	लगभग	1500
10	साबुन और डिटर्जेंट/विम स्क्रबर, झाड़ू, वाइपर, आदि।	प्रति माह	लगभग	1000
	कुल आवर्ती लागत (ख़)			120900

ग.	उत्पादन लागत (मासिक)	
क्रमांक।	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	120900
2	लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	653
	उत्पादन की कुल लागत	**121553**

घ.	मासिक कुल आय				
क्रमांक।	विवरण	दैनिक	अपेक्षित दर किलोग्राम	कुल बिक्री दैनिक (रु.)	मासिक बिक्री (रु.)
1	कुल उत्पादन पनीर	24 किलो	250/कि०ग्रा०	6000	180000

ड·	लागत लाभ का विश्लेषण	
क्रमांक।	विवरण	राशि (रु.)
1	लागत पर 10% मूल्यह्रास	653
2	कुल आवर्ती लागतप्रति माह	120900
3	कुल व्यय	121553
4	कुल उत्पादन (मासिक)	720/कि०ग्रा०
5	अपेक्षित दरप्रति किलोग्राम	250/कि०ग्रा०
6	कुल बिक्री राशि	180000
	शुद्ध आय (मासिक) =180000- 121553	58447
7	लाभ साझेदारी	लाभ का बंटवारा सदस्यों के बीच सामूहिक रूप से तय किया जाएगा; हालांकि लाभ का एक बड़ा हिस्सा आरक्षित रखा जाएगा। भावी आकस्मिकता.

नोट: श्रम की राशि (16500) जो आवर्ती लागत में जोड़ी गई है, व्यावहारिक रूप से SHG के सदस्यों की आय है क्योंकि श्रम इनपुट SHG के सदस्यों के भीतर होगा।

15. निधि प्रवाह

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना सहायता	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	78400	58800 (75%)	19600
2	कुल आवर्ती लागत	121553	-	121553
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/ कौशल उन्नयन	60000	60000	-
	कुल	**259953**	**118800**	**141153**

टिप्पणी-

- स्वयं सहायता समूह में 15 महिला सदस्य हैं, इसलिए 75% पूंजी लागत परियोजना द्वारा दी जाएगी।
- आवर्ती लागत एसएचजी/सीआईजी सदस्यों द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

16. निधि के स्रोत

परियोजना समर्थन	□ पूंजीगत लागत का 75% उपरोक्त क्रमांक 8 में वर्णित उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। □ एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे □ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/ कौशल उन्नयन लागत.	मशीनरी/उपकरण की खरीद सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी
एसएचजी योगदान	पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्रियों/उपकरणों की लागत शामिल है आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी	

17. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

18. बैंक ऋण चुकौती – यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई चुकौती अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंकों को पूरी तरह से चुकाया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- अंतर-ऋण, बैंकों में भुगतान अनुसूची के अनुसार भुगतान किया जाना चाहिए।

19.निगरानी पद्धति – प्रारंभिक स्तर पर लाभार्थियों का आधारभूत सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय निर्माण
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचे गए उत्पाद की मात्रा
- बाजार पहुंच

20. टिप्पणी

21. ग्रुप सदस्यों की तस्वीरें-

बिरमादेवी (अध्यक्ष) गीता देवी (सचिव) प्रीतमा (कोषाध्यक्ष) काल दासी

कृष्णा देवी मनकी देवी राज कुमारी राम प्यारी

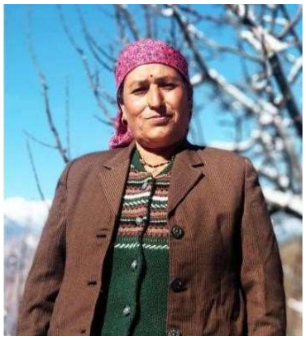

सरोज देवी सत्या देवी

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Laxmi Narayan.....................Self Help Group will under Take the... Paneer Making

As Livelihood generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh forest ecosystems & Management & livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.)....3,00000=00..................has been submitted by this group on dated ....and this business plan has been approved by Shahdhar Dhew...VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

प्रधान ग्राम वन विकास समिति
Signature of VFDS Pradhan

सचिव ग्राम वन विकास समिति
Signature of VFDS Secretary

Approved

DMU Officer-cum-DCF,
Rampur Forest Division, H.P.

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group...Laxmi Narayan...held on ...27/10/2021...at Shadlay...that our Self Help Group will undertake the Paneer Making...as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted).

निरमादेवी

President
Luxmi Narayan
SHG

Signature of Group Pradhan

Geetadevi

Secretary
Luxmi Narayan
SHG

Signature of Group Secretary